बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 206 ● नई दिल्ली ● रविवार 17 अगस्त 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने स्थानीय निवेशकों, आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई

नई दिल्ली । तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार स्थानीय निवेशकों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करेगी और उनका लाभ सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी। रेड्डी ने रियल एस्टेट डेवलपरों की संस्था क्रेडाई की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में पारदर्शी नीतियों के क्रियान्वयन, निवेश को बढ़ावा देने और निवेशकों को समर्थन देने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। रेड्डी ने अंतरराष्ट्रीय निवेश आकर्षित करने के राज्य के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा, हम निवेश और जागरूकता कार्यक्रमों के लिए अमेरिका, सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, दुबई और दावोस जैसे देशों का दौरा कर रहे हैं।

दिल्ली में थार का कहर, तेज रफ्तार गाड़ी ने बाइक सवार को कुचला, अंदर मिलीं शराब की कई बोतलें

नई दिल्ली । दिल्ली के मोती नगर इलाके में शनिवार (16 अगस्त) की सुबह तेज रफ्तार थार गाड़ी ने एक बाइक को टक्कर मार दी. हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान 40 वर्षीय बेचू लाल के रूप में हुई है, जो दिल्ली के प्रेम नगर इलाके में रहते थे.

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ. थार ने इतनी तेज टक्कर मारी कि बाइक पूरी तरह से कार और एक ट्रक के बीच दबकर कुचल गई. बेचू लाल को बचाने का कोई मौका नहीं मिला. उनकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना की तस्वीरों और वीडियोज में साफ देखा जा सकता है कि बाइक के परखचे उड़ गए थे और थार की विंडशील्ड पर भी गहरी दरारें पड़ गईं. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ड्राइवर, अमरिंदर सिंह सोढ़ी, हादसे के तुरंत बाद अपनी थार वहीं छोड़कर फरार हो गया. कार से शराब की दो बोतलें बरामद की गईं. ऐसे में शक जताया जा रहा है कि आरोपी शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था. वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, घटना के तुरंत बाद आरोपी फरार हो गया. कई पुलिस टीमों का गठन किया गया है. सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा. हादसे की जानकारी मिलते ही बेचू लाल के परिवार में कोहराम मच गया. शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है. पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है. यह एक हफ्ते में दूसरी घटना है, जिसमें महिंद्रा थार लापरवाही से चलाई गई और किसी की जान चली गई. बीते हफ्ते, चाणक्यपुरी में भी थार ने एक पैदल यात्री को टक्कर मार दी थी. वह इलाका राष्ट्रपति भवन से सिर्फ दो किलोमीटर दूर है. उस हादसे में भी पीड़ित की मौके पर मौत हो गई थी और शव करीब चार घंटे तक सड़क पर पड़ा रहा. बाद में आरोपी को गिरफ्तार किया गया. महिंद्रा थार हाल के दिनों में अक्सर चर्चा में रही है. खासकर सोशल मीडिया पर रील्स और शॉर्ट वीडियोज में इसे तेज रफ्तार और स्टंट करते हुए दिखाया जाता है. लेकिन बढ़ती घटनाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या यह गाड़ी युवाओं के लिए स्टेटस सिंबल से यादा लापरवाह ड्राइविंग का प्रतीक बनती जा रही है.

अलास्का में ट्रंप-पुतिन की मुलाकात का भारत ने किया स्वागत, कहा- संवाद से ही बनेगी शांति की राह

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यह पहल वैश्विक शांति की दिशा में एक अहम कदम है।

नई दिल्ली । विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिका और रूस के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यह पहल वैश्विक शांति की दिशा में एक अहम कदम है। जायसवाल ने कहा कि भारत इस वार्ता में हुई प्रगति की सराहना करता है और मानता है कि आगे का रास्ता केवल संवाद और कूटनीति से ही निकल सकता है। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि मौजूदा समय में पूरी दुनिया की नजर यूक्रेन युद्ध पर है और सभी चाहते हैं कि इस संघर्ष का जल्द से जल्द अंत हो। जायसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत की हमेशा से यही नीति रही है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने दोहराया कि बातचीत और आपसी समझ ही शांति का सबसे बड़ा माध्यम है।

वार्ता पर दुनिया की नजरें

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अलास्का में हुई शिखर वार्ता ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद पहली बार दोनों नेताओं की सीधी मुलाकात हुई। हालांकि बैठक को 'उपयोगी' बताते हुए भी ट्रंप ने यह साफ किया कि फिलहाल कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने कुछ प्रगति की है, लेकिन अभी हम पूरी मंजिल तक नहीं पहुंचे हैं।

उम्मीदें और अधूरे परिणाम

ट्रंप ने बातचीत को 'बहुत सकारात्मक' बताते हुए यह भी कहा कि अगले कदमों पर वे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और नाटो नेताओं से चर्चा करेंगे। वहीं पुतिन ने ट्रंप की 'मित्रतापूर्ण' भाषा और रूस के राष्ट्रीय हितों की समझ की तारीफ की। हालांकि, वार्ता से कोई ठोस घोषणा या लिखित समझौता नहीं निकल पाया।

बीजेपी-आरएसएस के बीच है मनमुटाव? राम माधव ने साफ शब्दों में बयां कर दी सचाई, विपक्ष पर लगाया बड़ा आरोप

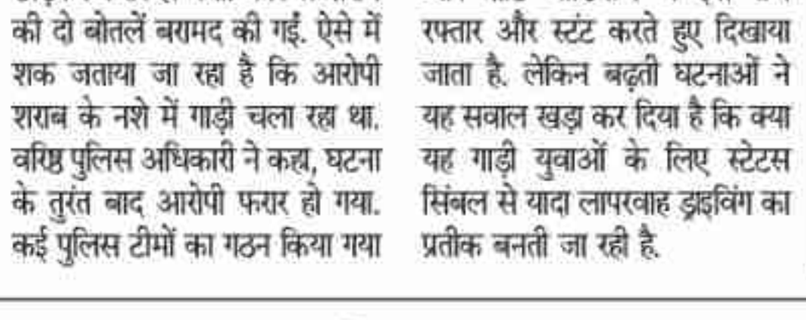

नई दिल्ली।आरएसएस नेता राम माधव ने स्पष्ट रूप से कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) एक ही वैचारिक परिवार का हिस्सा हैं और दोनों के बीच कोई मनमुटाव नहीं है। उन्होंने कहा कि दोनों संगठन राजनीति और समाज सेवा के अपने-अपने क्षेत्रों में काम करते हैं। वरिष्ठ आरएसएस नेता ने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में आरएसएस के 100 साल के इतिहास को मान्यता देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी प्रशंसा की। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में जब दोनों संगठनों के बीच संभावित मनमुटाव को लेकर कुछ संदेहों के बारे में पूछा गया तो आरएसएस नेता राम माधव ने ऐसी किसी भी अटकल को खारिज कर दिया और दोहराया कि दोनों संगठन विचारधारा और देश के विकास के लिए काम करने के मामले में एकजुट हैं। भाजपा राजनीति में काम करती है और आरएसएस देश की समाज सेवा के लिए इसके बाहर काम करता है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव माधव ने एएनआई को बताया कि ये अटकलें समय-समय पर लगाई जाती रहती हैं। अगर उन्हें कोई मुद्दा नहीं मिलता, तो आरएसएस को आगे लाकर कहा जाता है कि आरएसएस और भाजपा के बीच मनमुटाव है। आरएसएस और भाजपा एक वैचारिक परिवार के संबंध में जुड़े हुए दो संगठन हैं। आरएसएस नेता की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन में 100 साल पुराने संघ का ज़िक्र करने के लिए उनकी आलोचना कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने संगठन के ज़िक्र को संविधान और तिरंगे का अपमान बताया है। संघ और भाजपा के बीच तनावपूर्ण संबंधों की अटकलें भी लगाई जा रही हैं, और राजनीतिक विरोधी भी इसका संकेत दे रहे हैं। राम माधव ने आगे कहा कि भाजपा राजनीतिक दृष्टिकोण से काम करती है, और आरएसएस राजनीति से परे काम करता है, देश के विकास के लिए कई तरह की सेवाएँ करता है। हम एक ही वैचारिक परिवार से हैं, इसलिए हम संपर्क में रहते हैं, और इस वजह से हमारे बीच कभी कोई तनाव नहीं रहा। कोई तनाव नहीं है। माधव ने आगे दोहराया कि संगठन में कांग्रेस सहित सभी प्रकार की विविध राजनीतिक पृष्ठभूमि के लोगों का स्वागत है। हालाँकि, उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए आरएसएस का विरोध करने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कुछ लोग, राजनीतिक कारणों से, हमेशा से आरएसएस का विरोध करते रहे हैं, जैसे कुछ कांग्रेसी नेता। उन्होंने राजनीतिक कारणों से विरोध किया, लेकिन अंततः उनके अंदर सभी जानते थे कि आरएसएस राजनीति से दूर रहकर हिंदू धर्म और देश के लिए काम करता है। यह संगठन अच्छे लोगों के निर्माण, मानव निर्माण का काम कर रहा है, यह सभी जानते हैं। हमारे संगठन के निचले स्तरों पर, विविध पृष्ठभूमि के सभी लोगों को काम करने का मौका मिलता है।

एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल पर कांग्रेस हमलावर, कहा- वे भारत-पाकिस्तान विभाजन के बारे में कुछ नहीं जानते

नई दिल्ली ।भारत-पाकिस्तान बंटवारे को लेकर जारी एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल पर कांग्रेस ने हमला बोला है। कांग्रेस ने कहा कि एनसीईआरटी को भारत-पाकिस्तान विभाजन के बारे में कोई जानकारी नहीं है। कांग्रेस ने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में आरएसएस का जिक्र करने पर पीएम मोदी को भी घेरा। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि मैं एनसीईआरटी को विभाजन पर चर्चा के लिए चुनौती देता हूं। भाजपा के पास एनसीईआरटी है। वे विभाजन के बारे में कुछ नहीं जानते। प्रधानमंत्री मोदी के स्वतंत्रता दिवस के भाषण और उसमें आरएसएस के जिक्र पर कांग्रेस नेता ने कहा कि यह बहुत निराशाजनक था। ऐसा लग रहा था जैसे यह उनका विदाई भाषण हो। ऐसा लग रहा था कि वह किसी को खुश करने के लिए ऐसा कह रहे हैं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के मौके पर विशेष मॉड्यूल जारी किया है। इस मॉड्यूल में विभाजन के लिए मुहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और लॉर्ड माउंटबेटन को जिम्मेदार ठहराया गया है। इस मॉड्यूल को 'विभाजन के अपराधी' शीर्षक दिया गया है और इसे कक्षा 6 से 8 और कक्षा 9 से 12 के छात्रों के लिए अलग-अलग रूप में तैयार किया गया है। हालांकि, यह किसी भी कक्षा की पाठ्यपुस्तक का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह पूरक शैक्षिक सामग्री के तौर पर पेश किया गया है, जिसे पोस्टर, वाद-विवाद, प्रोजेक्ट्स और चर्चाओं के माध्यम से बच्चों को सिखाया जाएगा। एनसीईआरटी द्वारा जारी मॉड्यूल में भारत-पाक विभाजन के लिए तीन प्रमुख शख्सियतों को जिम्मेदार ठहराया गया है- मुहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और लॉर्ड माउंटबेटन। मॉड्यूल के मुताबिक, जिन्ना ने विभाजन की मांग की, कांग्रेस ने इसे स्वीकार किया और माउंटबेटन ने इसे लागू किया। इसके साथ ही इसमें पंडित जवाहरलाल नेहरू का जुलाई 1947 में दिया गया एक एतिहासिक भाषण भी शामिल किया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था- विभाजन बुरा है, लेकिन एकता की कीमत चाहे जो भी हो, गृहयुद्ध की कीमत उससे कहीं यादा होगी। यह उद्धरण उस समय की राजनीतिक और सामाजिक स्थिति को स्पष्ट रूप से दर्शाता है, जब देश कठिन फैसलों के मोड़ पर खड़ा था।

राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समय सीमा तय करने पर केंद्र की चेतावनी- इससे सांविधानिक अराजकता पैदा होगी

नई दिल्ली ।

सरकार ने राष्ट्रपति और राज्यपालों पर विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय-सीमा थोपने के खिलाफ चेतावनी दी है। केंद्र सरकार ने चेताया कि इससे देश में सांविधानिक अराजकता पैदा हो सकती है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अप्रैल में अपने एक निर्देश में विधेयकों को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के लिए तीन महीने और रायपालों के लिए एक महीने की समय-सीमा निर्धारित की थी ताकि विधायिका द्वारा पारित विधेयकों पर निर्णय हो सके। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एक लिखित निवेदन में कहा कि ऐसी समय-सीमाएं तय करना ऐसा है, जैसा सरकार के किसी अंग द्वारा उन शक्तियों का हड़पना, जो उसमें निहित नहीं हैं। इससे संविधान में उल्लेखित शक्तियों का पृथक्करण बिगड़ सकता है। सरकार ने चेतावनी दी कि इससे सांविधानिक अराजकता पैदा होगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अपने निवेदन में कहा, अनुछेद 142 में निहित अपनी असाधारण शक्तियों के बावजूद भी, सुप्रीम कोर्ट संविधान में संशोधन नहीं कर सकता या संविधान निर्माताओं की मंशा को विफल नहीं कर सकता। तुषार मेहता ने माना कि मौजूदा प्रक्रिया में कार्यान्वयन में कुछ सीमित समस्याएं हैं, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि राज्यपाल जैसे उच्च पद पर बैठे लोगों से अधिनस्थ जैसा व्यवहार किया जाए। मेहता ने कहा रायपाल और राष्ट्रपति के पद राजनीतिक रूप से पूर्ण हैं और लोकतांत्रिक प्रशासन के उच्च आदर्शों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी कथित चूक का समाधान राजनीतिक और सांविधानिक तंत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए, न कि अवांछित न्यायिक हस्तक्षेप के जरिए। रायपाल के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की याचिका पर दिए गए अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने सलाह दी कि राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर रायपालों द्वारा भेजे गए लंबित विधेयकों पर फैसला ले लेना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल दिए फैसले में सुझाव देते हुए कहा कि हम ये सलाह देते हैं कि राष्ट्रपति को रायपाल द्वारा उनके विचार के लिए भेजे गए विधेयकों पर तीन महीने के भीतर फैसला लेना जरूरी है। पीठ ने कहा कि इस समयसीमा से यादा की देरी होने पर उचित कारण देने होंगे और इस बारे में संबंधित राय को सूचित करना होगा। राज्यों को भी सहयोगात्मक होना चाहिए और विधेयक को लेकर उठाए जा रहे सवालों के उत्तर देकर सहयोग करना चाहिए और केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सुझावों पर तेजी से विचार करना चाहिए। इस पर काफी विवाद हुआ और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से 14 सवाल किए थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वतंत्रता आंदोलन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक के बारे में अज्ञानता से घिरे लोग अक्सर यह प्रश्न पूछते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में संघ की क्या भूमिका रही है? कुछ लोग इससे भी आगे बढ़ जाते हैं और पूछते हैं कि संघ के किसी एक कार्यकर्ता का नाम ही बता दीजिए, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया हो? संघ की स्थापना जिन्होंने की, वे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार स्वयं ही जन्मजात देशभक्त थे। डॉ. हेडगेवार क्रांतिकारी भी रहे, कांग्रेस में रहकर राजनीतिक संघर्ष किया और जेल भी गए। बाद में, देश की सर्वांग स्वतंत्रता और स्वतंत्रता को स्थायी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। डॉ. हेडगेवार अकेले नहीं हैं, अपितु स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लेनेवाले संघ के ज्ञात-अज्ञात कार्यकर्ताओं की लंबी श्रृंखला है। जो संगठन अपने कार्यकर्ताओं को यह शपथ दिलाता हो कि «मैं हिन्दूराष्ट्र को स्वतंत्र कराने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का घटक बना हूं, उसने कितने ही लोगों के मन में स्वतंत्रता प्राप्ति का भाव भरा होगा, उसकी सहज कल्पना की जा सकती है। भारत में प्रतिज्ञा का बहुत महत्व है। हमें भीष्म प्रतिज्ञा का स्मरण है। राजा हरिश्चंद्र की सत्य बोलने की प्रतिज्ञा ध्यान है। मुगलिया सल्तनत के अत्याचार के विरुद्ध महाराणा प्रताप की प्रतिज्ञा को कौन भूल सकता है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने शिव को साक्षी मानकर प्रतिज्ञा करके 'स्वराज्य' की नींव रखी, जिसे साकार करने में संपूर्ण समाज प्राणपण से जुट गया। संघ के स्वयंसेवक भी इसी भाव के साथ प्रतिज्ञाबद्ध होते हैं कि वह जो प्रतिज्ञा ले रहे हैं, उसको पूर्ण करने में अपना सर्वस्व देंगे और प्रतिज्ञा को आजन्म निभाएंगे। मार्च 1928 में नागपुर के निकट एक पहाड़ी पर स्वयंसेवकों को एकत्र करके, भगवाध्वज के समक्ष प्रतिज्ञा का पहला कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया था। देश की पूर्ण स्वतंत्रता एवं विकास के लिए स्वयंसेवकों को जीवनव्रती बनाने के निमित्त आयोजित इस प्रथम कार्यक्रम में 99 स्वयंसेवकों ने प्रतिज्ञा ली थी। इस अवसर पर डॉ. हेडगेवार ने संघ के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए जो भाषण दिया, वह स्वतंत्रता प्राप्ति की संघ की आकांक्षा को स्पष्टरूप से व्यक्त करता है। उन्होंने कहा- «हमारा उद्देश्य हिन्दू राष्ट्र की पूर्ण स्वाधीनता है। संघ का निर्माण इसी महान लक्ष्य के लिए हुआ है»। इस स्पष्ट अभिव्यक्ति के बाद कहने के लिए कुछ और भी बचता है क्या? यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता अपनी नित्य प्रार्थना में कहते हैं कि इस राष्ट्र को परम वैभव पर लेकर जाना है। क्या कोई पराधीन राष्ट्र परम वैभव पर जा सकता है? स्पष्ट है कि भारत की स्वतंत्रता का लक्ष्य संघ की स्थापना में निहित था। डॉक्टर साहब ने 1929 में वर्धा में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में भी स्वयंसेवकों एवं नागरिकों की एक सभा में प्रखरता के साथ कहा- «ब्रिटेन की सरकार ने अनेक बार भारत को स्वतंत्र करने का आश्वासन दिया है, परंतु वह झूठ साबित हुआ। अब यह साफ हो गया कि भारत अपने बल पर स्वतंत्रता प्राप्त करेगा।

याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने महात्मा गांधी के आह्वान पर 'नमक सत्याग्रह' में शामिल होकर विदर्भ प्रांत में 1930 में 'जंगल सत्याग्रह' किया। इस आंदोलन में उनके साथ अनेक प्रमुख स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। सत्याग्रहियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया। डॉक्टर साहब को नौ माह का कठोर कारावास दिया गया। इससे पूर्व 1921 के आंदोलन में भी डॉक्टर साहब को जेल की सजा हुई थी। महात्मा गांधी के सविनय अवज्ञा आंदोलन को मध्यभारत में सफल बनाने के लिए स्वयंसेवकों ने अथक प्रयास किया। संघ के सरकार्यवाह जीएम हुद्दार, नागपुर के संघचालक अप्पा साहेब हल्दे, सिरपुर के संघचालक बाबूराव वैद्य, संघ के सरसंघचालक मार्तंडराव जोग के साथ संघ के अन्य प्रमुख कार्यकर्ताओं ने आंदोलन में शामिल होने के कारण चार-चार माह का कारावास मिला। अपनी स्थापना के कई वर्षों बाद कांग्रेस को जनमानस के दबाव के कारण 31 दिसंबर, 1929 को लाहौर में रावी के तट पर पहली बार 'पूर्ण स्वराज्य' का प्रस्ताव पारित करना पड़ा। याद रहे कि डॉ. हेडगेवार ने 1920 में नागपुर में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन में ही पूर्ण स्वराज्य का प्रस्ताव पारित कराने का प्रयास किया था।

उन्होंने कांग्रेस की प्रस्ताव समिति के सामने सुझाव रखा था कि कांग्रेस का उद्देश्य भारत को पूर्ण स्वतंत्र कर भारतीय गणतंत्र की स्थापना करना और विश्व को पूंजीवाद के चंगुल से मुक्त करना होना चाहिए। बहरहाल, सम्पूर्ण स्वतंत्रता का उनका सुझाव कांग्रेस ने 9 वर्ष बाद 1929 के लाहौर अधिवेशन में स्वीकृत किया।

कांग्रेस का यह निर्णय संघ के घोषित उद्देश्य के अनुरूप था। इसलिए इससे आनंदित होकर सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार ने संघ की सभी शाखाओं को 26 जनवरी, 1930 को कांग्रेस का अभिनंदन करने, राष्ट्रध्वज का वंदन करने और स्वतंत्रता दिवस मनाने के निर्देशित किया। साथ ही यह भी कहा कि शाखाओं पर भाषण करके स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ एवं महत्व को समझाया जाए। सरसंघचालक के निर्देशानुसार, संघ की सभी शाखाओं पर 26 जनवरी, 1930 को सायं 6 बजे स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। संघ के स्वयंसेवकों ने 1942 के 'अंग्रेजो, भारत छोड़ो' आंदोलन में भी सहभागिता की। 8 अगस्त, 1942 को मुंबई के गोवालिया टैंक मैदान पर कांग्रेस अधिवेशन में महात्मा गांधीजी ने आंदोलन की घोषणा की। दूसरे दिन से ही देशभर में आंदोलन प्रारंभ हो गया। विदर्भ में बावली (अमरावती), आष्टी (वर्धा) और चिमूर (चंद्रपुर) में हुए आंदोलनों में संघ के स्वयंसेवकों ने ही नेतृत्व किया। चिमूर के समाचार बर्लिन रेडियो पर भी प्रसारित हुए। यहां के आन्दोलन का नेतृत्व कांग्रेस के उद्धवराव कोरेकर और संघ के अधिकारी दादा नाईक, बाबूराव बेगडे, अण्णाजी सिरास ने किया। चिमूर के इस आन्दोलन में अंग्रेज की गोली से एकमात्र मृत्यु बालाजी रायपुरकर की हुई, जो संघ स्वयंसेवक थे। इस आंदोलन के अंतर्गत राजस्थान में प्रचारक जयदेवजी पाठक, आर्वी (विदर्भ) में डॉ. अण्णासाहब देशपांडे, जशपुर (छत्तीसगढ़) में रमाकांत केशव (बालासाहब) देशपांडे, दिल्ली में वसंतराव ओक एवं चंद्रकांत भारद्वाज और पटना (बिहार) में अधिवक्ता कृष्ण वल्लभप्रसाद नारायण सिंह (बबुआजी) ने भाग लिया। अंग्रेज सरकार संघ के बढ़ते प्रभाव से घबरा गई थी।

इसलिए उसने संघ पर आंशिक प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए ताकि संघरूपी आंदोलन को रोका जा सके। गुप्तचर विभाग की रिपोर्ट के आधार पर अंग्रेज सरकार ने सबसे पहले 15 दिसंबर, 1932 को एक सर्कुलर निकालकर सरकारी कर्मचारियों को संघ में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया। वहीं, 5 अगस्त, 1940 को ब्रिटिश सरकार ने संघ को सैनिक वेशभूषा और प्रशिक्षण पर पूरे देश में प्रतिबंध लगा दिया। क्योंकि सरकार को गुप्तचर रिपोर्ट में यह जानकारी मिलने लगी थी कि संघ के स्वयंसेवक पूर्ण स्वतंत्रता की ओर तेजी से अग्रसर हैं। राष्ट्रीय आंदोलनों में बढ़-चढ़ कर सहभागिता कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संघ के प्रचारक बाबा साहब आप्टे ने 12 दिसंबर, 1943 को जबलपुर में गुरुदक्षिणा उत्सव पर स्वयंसेवकों से कहा- «अंग्रेजों का अत्याचार असहनीय है, देश को स्वतंत्रता के लिए तैयार हो जाना चाहिए»। संघ अपनी स्थापना के समय से ही देश की स्वतंत्रता का स्वप्न लेकर चल रहा था। भारत की सर्वांग स्वतंत्रता के लिए संघ के स्वयंसेवक प्रतिज्ञाबद्ध थे इसलिए अवसर आने पर उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलनों में सहभागिता की, जेल गए और बलिदान दिया।

सम्पादकीय...

मोदी का राष्ट्र के नाम संदेश

हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर देशवासियों को राष्ट्र नायक के सम्बोधन का इंतजार रहता है। राष्ट्र नायकों की वाणी देशवासियों को बहुत प्रभावित करती रहती है। उनके विचार युवाओं में नई ऊर्जा का संचार करते रहे हैं। वैसे तो स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर राष्ट्र नायक सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख और जनता के हित में कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की घोषणा करते हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जैसा राष्ट्र नायक हो तो उनका संदेश केवल देशवासियों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए होता है। नरेन्द्र मोदी अपने जीवन में संघर्ष का सामना करते हुए देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हुए हैं। उनके विचारों से जन-जन के हृदय में भारतीय होने का गर्व महसूस होता है और वे लक्ष्य को हासिल करने के लिए नए जोश से आगे बढ़ने के लिए तैयार हो जाते हैं। जब कोई व्यक्ति यह निश्चित कर लेता है कि उसे कुछ हासिल करना है तो उसे कोई भी रोक नहीं सकता। यह लोगों की शक्ति का प्रमाण होता है। देश का निर्माण सरकारें तो करती ही हैं? बल्कि देश का निर्माण इसके नागरिकों की ताकत से होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा अपने सशक्त विचारों और दिन-रात काम करने की शैली ने देशवासियों में आगे बढ़ने का जोश और जज्बा भरा है। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने 12वें सम्बोधन में भारत को समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की नई दिशा प्रस्तुत की है। उन्होंने तकनीकी प्रगति, आर्थिक आत्मनिर्भरता, देश की सुरक्षा और सामाजिक मुद्दों पर अनेक पहलुओं को उजागर किया है। उनका सम्बोधन आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए एक स्पष्ट दिशा और मजबूत संकल्प दर्शाता है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल बाह्य बंधनों से मुक्ति नहीं, बल्कि आंतरिक अनुशासन और आत्म-नियंत्रण है, जिसके बिना कोई भी राष्ट्र न तो दीर्घकालीन प्रगति कर सकता है, न ही आत्म-गौरव का अनुभव कर सकता है। भारत एक ऐसा ही राष्ट्र है इसकी जड़ों में संस्कृति, दर्शन और अध्यात्म की अद्भुत समृद्धता है। इसके पास केवल भौगोलिक विस्तार नहीं, बल्कि सांस्कृतिक गहराई भी है। आज भारत केवल राजनीतिक स्वतंत्रता की रक्षा नहीं करता, बल्कि वह आत्मनिर्भरता की दिशा में भी अग्रसर है। आत्मनिर्भर भारत का अभियान केवल एक आर्थिक योजना नहीं, बल्कि मानसिक स्वतंत्रता का बोध है। यह देशवासियों को कहता है कि हम विचारों, तकनीक, संसाधनों और चरित्र में आत्मनिर्भर बनें। आज भारत रक्षा क्षेत्र में अपने लड़ाकू विमान, मिसाइलें और उपग्रह बना रहा है। विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में 'इसरो' और 'डीआरडीओ' जैसी संस्थाएं विश्वस्तरीय अनुसंधान कर रही हैं। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे अभियान भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति नहीं बना रहे, बल्कि आत्मविश्वास से परिपूर्ण राष्ट्र भी बना रहे हैं। यह वही आत्मविश्वास है, जो स्व-नियंत्रण से उपजता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेमीकंडक्टर उत्पादन में भारत के एक ताकत बनने का उल्लेख किया और घोषणा की कि इस साल के अंत तक मेड इन इंडिया चिप बनकर तैयार हो जाएगी। देश में सेमीकंडक्टर के 6 यूनिट बनकर तैयार हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी डॉलर पर भी निशाना साधा और कहा कि आत्मनिर्भरता का नाता सिर्फ आयात और निर्यात, रुपए, पैसे, पाउंड, डॉलर तक सीमित नहीं है। यह कहकर बिना डॉलर के लेन-देन को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को दो टूक जवाब दे दिया है कि भारत अपने किसानों, डेयरी उत्पादकों के हितों पर समझौता नहीं करेगा। कोई भी नीति जो भारतीयों के हितों को खतरे में डालती हो मोदी उसके खिलाफ दीवार बनकर खड़ा है। यह ट्रम्प को साफ संदेश है कि भारत टैरिफ को लेकर कोई समझौता नहीं करने वाला। ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अगर हम आत्मनिर्भर नहीं होते तो ऑपरेशन सिंदूर जैसा बड़ा फैसला नहीं कर पाते। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए स्पष्ट कहा कि अगर उसने आगे भी हिमाकत की तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भारत परमाणु ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगा। देश के रक्षा बलों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से उन्होंने सुदर्शन चक्र परियोजना का ऐलान किया। सुदर्शन चक्र परियोजना न केवल भारत की सुरक्षा करेगी बल्कि दुश्मनों का संहार भी करने में सक्षम होगी। उन्होंने दाम कम दम ज्यादा का नारा देते हुए कहा कि भारत अब सस्ते और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के लिए जाना जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए, संघ को दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ बताया। उन्होंने अवैध घुसपैठियों, नक्सलवाद, बेरोजगारी दूर करने के लिए उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए नई योजनाओं की घोषणा की। उन्होंने तीन करोड़ नौजवानों को रोजगार देने के लिए प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना शुरू करने का भी ऐलान किया। उन्होंने जीएसटी रिफार्म की घोषणा करते हुए देशवासियों को भरोसा दिया कि जीएसटी की दरें कम की जाएंगी, ताकि वस्तुएं कम दाम पर मिलें। देश के कई वर्गों खासतौर पर व्यवसायियों और उद्यमियों की मांग रही है कि जीएसटी की दरों की समीक्षा हो और उन्हें तर्कसंगत बनाया जा सके। जीएसटी की दरें कम होने से आम आदमी को राहत मिलेगी। प्रधानमंत्री ने वोकल फॉर लोकल नारे को जन आंदोलन बनाने की बात कही और देशवासियों को स्वदेशी अपनाने की अपील की। अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब मेड इन इंडिया फाइटर जेट बनाए जा रहे हैं और भारत अब अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को कड़े परिश्रम का आह्वान करते हुए कहा,

''परिश्रम में जो तपा है
उसने ही तो इतिहास रचा है
जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है
उसने ही समय को मोड़ा है।''

प्रधानमंत्री ने भारतीयों को सफलता का मंत्र दे दिया है। अब हर देशवासी का दायित्व है कि वह विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए जुट जाएं।

ट्रंप को संदेश, आरएसएस का जिक्र, रोजगार योजना,आत्मनिर्भरता, मेड इन इंडिया,नक्सलवाद और अवैध घुसपैठियों को सन्देश

वैश्विक स्तरपर भारतीय स्वतंत्रता दिवस15 अगस्त2025 पर पूरे विश्व के सैलानियों भारतीय उत्सवों पर रुचि रखने वालों स्वतंत्रता का मूल्य जानने वालों विदेश में बेस मूल भारतीयों सहित,पूरे भारतवर्ष ने 79 वां स्वतंत्रता दिवस अपार उत्साह, जोश और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। तड़के सुबह से ही देश के हर कोने में तिरंगे की शोभा देखते ही बन रही थी,चाहे वह महानगरों की ऊँची-ऊँची इमारतें हों, गांवों की गलियाँ हों या फिर स्कूल-कॉलेजों के प्रांगण।दिल्ली के लाल किले से पीएम द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान के साथ पूरे देश में एक स्वर में 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के जयघोष गूंज उठे। राजधानी से लेकर सीमावर्ती क्षेत्रों तक सुरक्षा बलों की परेड, सांस्कृतिक झाँकियों और देश की प्रगति की झलक दिखाते आयोजनों ने उत्सव को भव्य बना दिया। शहरों में सजावट रोशनी और ध्वजारोहण समारोह ने वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। स्कूलों और कॉलेजों में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, शहीदों के बलिदान और आज़ादी के महत्व को जीवंत किया गया। विभिन्न राज्यों में पारंपरिक नृत्यों, संगीत और झाँकियों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित किया गया। ग्रामीण इलाकों में भी ग्राम पंचायतों, स्थानीय क्लबों और स्वयंसेवी संस्थाओं ने ध्वजारोहण कर देशप्रेम का संदेश दिया।सेना, नौसेना और वायुसेना ने अपने- अपने ठिकानों पर गरिमामय समारोह आयोजित किए, जिनमें युद्धक उपकरणों,विमान-कौशल और अनुशासन की अद्भुत मिसाल पेश की गई। स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न राज्यों के राजभवनों में राज्यपालों ने ध्वजारोहण किया और नागरिकों को राष्ट्र की एकता,अखंडता और विकास के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।कई शहरों में तिरंगा यात्राएँ निकाली गईं, जिनमें आम नागरिक, विद्यार्थी,व्यापारी और सामाजिक संगठन एक साथ शामिल हुए। शाम होते-होते ऐतिहासिक इमारतों और स्मारकों पर तिरंगे के रंगों से जगमगाती रोशनी ने पूरे देश को मानो एक धागे में बाँध दिया। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस का आयोजन केवल परंपरा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह देश की नई ऊर्जा, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक बन गया। भारत के हर नागरिक ने, चाहे वह देश में हो या विदेश में, इस दिन को गर्व और सम्मान के साथ मनाया,और यह संकल्प लिया कि आने वाले वर्षों मेंभारत को और अधिक सशक्त, समृद्ध और सुरक्षित बनाने में अपना योगदान देंगे।इस साल का थीम 'नया भारत' है, समारोह की एक खास परंपरा यह रही कि यह प्रधानमंत्री का लगातार 12वीं बार लाल किले से भाषण था, जिसके चलते वे इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड पीछे छोड़ते हुए इस विशेष श्रेणी में नेहरू के बाद दूसरे स्थान पर आ गए।

साथियों बात अगर हम लाल किले की प्राचीर से भारतीय पीएम के संबोधन रूपी हुंकार की करें तो,79वें स्वतंत्रता दिवस पर पीएम ने लालकिले पर लगातार 12 वीं बार तिरंगा फहराया। इस दौरान उन्होंने अब तक का सबसे लंबा भाषण दिया।पीएम ने 103 मिनट के भाषण की शुरुआत ऑपरेशन सिंदूर से की। इस पर 13 मिनट से ज्यादा बोले, टैरिफ का बिना नाम लिए ट्रम्प को संदेशदिया भारत के किसान,पशुपालक, मछुआरे, हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इससे जुड़ी किसी भी अहितकारी नीति के आगे मोदी दीवार बनकर खड़ा है।भारत, अपने किसानों, पशुपालकों, मछुआरों के संबंध में कभी भी कोई समझौता नहीं स्वीकार करेगा।पीएम का यह बयान ऐसे समय में आया है अमेरिका और भारत के बीच एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) पर बातचीत हो रही है। इसमें अमेरिका चाहता है कि भारत कृषि और डेयरी सेक्टर में टैक्स कम करे।साथ ही मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम, एथेनॉल जैसे सामान पर टैरिफ कम करने और अमेरिकी डेयरी उत्पादों को भारत में ज्यादा बेचने कीअनुमति दे।12 साल में पहली बार लाल किले से आरएसएस का जिक्र हुआ,आज गर्व के साथ मैं इस बात का जिक्र करना चाहता हूं कि आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ।100 साल की राष्ट्र की सेवा बहुत ही गौरवपूर्ण है।व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर 100 साल मां भारती के कल्याण का लक्ष्य लेकर मातृभूमि के लिए अपना जीवन समर्पित किया, सेवा, समर्पण संगठन और अप्रतिम अनुशासन जिसकी पहचान रही है। ऐसा आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ है।उन्होंने आतंकवाद, सिंधु समझौता, आत्मनिर्भरता, मेड इन इंडिया, नक्सलवाद और अवैध घुसपैठियों पर अपनी बात रखी। उन्होंने पहली बार लाल किले से आरएसएस का जिक्र किया।पीएम ने कहा,ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने जो करके दिखाया, जो दशकों तक भुला नहीं सकते। सैकड़ों किमी दुश्मन की धरती में घुसकर आतंकियों को नेस्तनाबूद किया। पाकिस्तान की नींद अभी तक उड़ी है।अगर हम आत्मनिर्भर न होते, तो क्या ऑपरेशन सिंदूर इतनी तेजी से कर पाते।

इसी कारण दुश्मन को पता भी नहीं चला कि कौनसा हथियार उन्हें खत्म कर रहा, उन्होंने दो ऐलान किए जीएसटी घटेगा, आज से रोजगार वाली नई योजना (1)जीएसटी रिफॉर्म- इस दिवाली पर सरकारजीएसटी रिफॉर्म ला रही है। इससे आम लोगों को टैक्स में बड़ी राहत मिलेगी।(2)23.5 करोड़ नौजवानों को रोजगार-आज से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना लागू की जा रही है। इस योजना के तहत निजी क्षेत्र में पहली नौकरी पाने वाले बेटे-बेटी को 15 हजार रुपए सरकार की तरफ से दिए जाएंगे। कंपनियों को भी जो ज्यादा रोजगार जुटाएगा, उन्हें प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह योजना करीब 3.5 करोड़ नौजवानों के लिए रोजगार के अवसर बनाएगी। साथियों बात अगर हम 79 में स्वतंत्रता दिवस के लाल किला समारोह में आमंत्रित को की करें तो85 गांवों के सरपंच हुए विशेष मेहमान,इस साल समारोह में 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 85 गांवों के 210 सरपंचों को विशेष अतिथि के रूप में बुलाया गया था जो रेखांकित करने वाली बात है। साथियों बात अगर हम 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस वैश्विक स्तरपर मूल भारतीयों द्वारा मनाए जाने की करें तो, यूएसए में भारतीय समुदाय, विशेषकर बॉर्डर सेंटर, में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, संगीत और खान-पान के कार्यक्रम आयोजित किए गए, साथ ही कई भारतीय रेस्तरां ऑफर्स भी पेश कर रहे थे।इसी दौरान, सिंगापुर और स्लोवाकिया के राजनयिकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से भारत को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ भेजीं, सिंगापुर के उच्चायुक्त ने «हैप्पी 79 वाँ इंडिपेंडेंस डे» की बधाई दी, वहीं स्लोवाकिया के राजदूत ने समृद्धि, शांति और सौभाग्य की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।सिंगापुर के उच्चायुक्त ने «हमारी दोस्ती और 60-वर्षीय द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती की आशा» व्यक्त की, जबकि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने द्विपक्षीय सहयोग और भारत-सिंगापुर साझेदारी पर प्रकाश डाला इन उत्सवों ने यह साबित कर दिया कि भारतीय स्वतंत्रता दिवस केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दुनिया भर में फैले भारतीयों के गर्व, पहचान और एकता का वैश्विक उत्सव बन चुका है। तिरंगे की छांव में, चाहे न्यूयॉर्क की भीड़ हो या लंदन का स्क्वायर, पेरिस की नदी हो या बर्लिन की ऐतिहासिक दीवार-हर जगह भारत की आत्मा और उसके स्वतंत्र होने का जश्न गूंजता लगातार रहा। साथियों बात अगर हम देश के कोने-कोने में आजादी व देशभक्ति की की लहर की करें तो देशभर में सुबह से ही स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी और निजी संस्थानों में ध्वजारोहण के कार्यक्रम आयोजित हुए।बच्चों ने देशभक्ति गीत गाए, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, और आज़ादी के मतवालों की कहानियों पर नाटक प्रस्तुत किए। गली-गली और गाँव-गाँव में घरों की छतों पर तिरंगे लहराते दिखाई दिए। बाज़ारों में मिठाइयों की महक और सजावट की रौनक देखते ही बनती थी। सोशल मीडिया प्लेटफार्म भी तिरंगे के रंगों में रंगा हुआ था, जहाँ लोग स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ साझा कर रहे थे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2025 का आगाज-ट्रंप को संदेश, आरएसएस का जिक्र रोजगार योजना आत्मनिर्भरता, मेड इन इंडिया, नक्सलवाद और अवैध घुसपैठियों को सन्देश, राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान के साथ पूरे देश में एक स्वर में 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के जयघोष गूंज उठे, 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस केवल एक उत्सव नहीं बल्कि भारत की उपलब्धियों चुनौतियों व भविष्य की योजनाओं का प्रतीक बनकर उभरा।

क्या राहुल खोई हुई जमीन हासिल कर पायेंगे?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर चर्चा में हैं, पहले अरुण जेटली प्रकरण और अब «वोट चोरी वेबसाइट» का विवाद। पहले संदर्भ समझिए- लोकसभा में विपक्ष के नेता जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए 'झूठ बोलना' जैसा शब्द बहुत कठोर है। इसलिए इसे 'तथ्यों में उलझन' कहना ज्यादा उचित होगा। सौभाग्य से गांधी ने यह टिप्पणी संसद के बाहर की, वरना उन पर सदन को गुमराह करने का आरोप लग सकता था। पार्टी के एक सम्मेलन में भाषण देते हुए गांधी ने अरुण जेटली की कथित 'धमकी' का जिक्र करते हुए कहा-मुझे याद है, जब मैं कृषि कानूनों के खिलाफ लड़ रहा था, अरुण जेटली जी को मुझे धमकाने के लिए भेजा गया। उन्होंने कहा, 'अगर तुम सरकार का विरोध जारी रखोगे और कृषि कानूनों के खिलाफ लड़ोगे तो हमें तुम्हारे खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ेगी। गांधी ने आगे कहा-मैंने उनकी ओर देखकर जवाब दिया, 'शायद आपको अंदाजा नहीं है कि आप किससे बात कर रहे हैं। हम कांग्रेस के लोग हैं, हम कायर नहीं हैं। हम कभी झुकते नहीं, अंग्रेज जैसी महाशक्ति हमें नहीं झुका पाए तो आप कौन होते हैं?' मगर यहां एक बड़ा विरोधाभास है- जानबूझकर या अनजाने में कहना मुश्किल है। सच यह है कि किसानों का आंदोलन, जेटली के निधन के एक साल बाद हुआ था। बात को यहीं न छोड़ते हुए, दिवंगत केंद्रीय मंत्री के बेटे रोहन जेटली ने राहुल गांधी के दावे को 'पूरी तरह झूठा और तथ्यों से रहित' बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी 'बिना तथ्यों के बयान देने का इतिहास' रखते हैं। रोहन ने कहा-मेरे पिता का निधन 2019 में हुआ, जबकि कृषि कानून 2020 में लाए गए। यह न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि लोकसभा में विपक्ष के नेता जैसे पद पर बैठे व्यक्ति के लिए बेहद गैर-जिम्मेदाराना भी है। भाजपा ने भी राहुल गांधी के बयान को 'फेक न्यूज' और 'बेसिर-पैर की आरोपबाजी' करार दिया। पार्टी ने तथ्य रखते हुए बताया कि कृषि विधेयक का मसौदा 3 जून 2020 को केंद्रीय मंत्रिमंडल में लाया गया और सितंबर 2020 में इन्हें कानून का रूप दिया गया, जबकि अरुण जेटली का निधन 24 अगस्त 2019 को हो गया था। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा-यह सुझाव देना कि अरुण जेटली जी ने किसी भी तरह उनसे संपर्क किया, तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है। आइए तथ्यों पर टिकें और अपनी सुविधा के लिए समय रेखा को न बदलें। वहीं, कांग्रेस ने अपने नेता के बयान का बचाव करते हुए कहा कि भले ही कृषि कानून जेटली के निधन के एक वर्ष बाद लाए गए हों लेकिन वे भाजपा सरकार के «लंबे, सोचे-समझे, किसान विरोधी एजेंडे की परिणति» थे। हालांकि पार्टी यह भूल गई या शायद भूलने का चुनाव किया कि निधन से कुछ माह पहले ही जेटली गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उसी वर्ष, उन्होंने खराब स्वास्थ्य के कारण केंद्रीय वित्त मंत्री का पद छोड़ दिया था। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में जेटली ने कहा था कि वे पिछले 18 महीनों से गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और उन्हें स्वास्थ्य लाभ की आवश्यकता है। यह पत्र मई 2019 में लिखा गया था। साधारण गणना से 18 महीने पीछे जाने पर समय शुरुआती 2018 का बनता है। ऐसे में कांग्रेस का यह तर्क कि आंदोलन एक लंबी लड़ाई की परिणति था, टिकता नहीं है। यह सही है कि आंदोलन केंद्र सरकार द्वारा कृषि विधेयकों का मसौदा मंजूर होने से पहले शुरू हो गया था लेकिन यह निश्चित रूप से उस समय नहीं था जब जेटली राजनीतिक रूप से सक्रिय थे। जून 2020 में मोदी मंत्रिमंडल ने तीन कार्यकारी आदेश पेश किए, जिन्हें सितंबर में लोकसभा से पारित कराया गया। इसके तुरंत बाद केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने इस्तीफा दे दिया, यह कहते हुए कि यह कानून 'किसान विरोधी' है। किसान भी सड़कों पर उतर आए, रेल की पटरियां और राष्ट्रीय राजधानी की ओर जाने वाले राजमार्ग ट्रकों, ट्रैक्टरों और कंबाइन हार्वेस्टर्स से अवरुद्ध कर दिए। समय-रेखा की गड़बड़ी से अलग, गांधी का दिवंगत जेटली के राजनीतिक अंदाज का आकलन भी चूक गया। जेटली एक अलग ही किस्म के राजनेता थे, इतने परिष्कृत कि 'धमकी' जैसे हथकंडों का इस्तेमाल करना उनके स्वभाव में नहीं था। राजनीति में और उसके बाहर, जिन्हें लोग जेटली के रूप में जानते थे, वे कोई ऐसे दबंग नहीं थे जो किसी को बुलाकर अंजाम की चेतावनी दें, जैसा कि गांधी के बयान से प्रतीत होता है। अगर ऐसा करना होता तो जेटली इतने कुशल थे कि संदेश अप्रत्यक्ष रूप से भिजवा देते, बजाय खुले तौर पर टकराव में आने के और जहां तक परिणामों की बात है, उसमें भी गांधी को पहले से चेताने की कोई आवश्यकता नहीं थी। रोहन जेटली ने विपक्ष के नेता के पद से जुड़ी जिम्मेदारियों के संदर्भ में बिल्कुल सटीक टिप्पणी की- इस पद के लिए परिपक्वता और गंभीरता चाहिए, न कि तात्कालिक, लापरवाह बयान, जैसा कि गांधी अक्सर देते हैं। हां, मगर सड़क की राजनीति में गांधी माहिर हैं। वे ऐसे मुद्दे उठाते हैं जो सीधे जनभावनाओं को छूते हैं। हाल ही में उन्होंने एक वेब पेज शुरू किया, जहां लोग पंजीकरण कर चुनाव आयोग (ईसीआई) से 'वोट चोरी' के खिलाफ जवाबदेही तय करने और डिजिटल मतदाता सूची लागू करने की मांग का समर्थन कर सकते हैं। गांधी ने कहा- हमारी चुनाव आयोग से मांग साफ है- पारदर्शिता दिखाइए और डिजिटल मतदाता सूची सार्वजनिक कीजिए, ताकि जनता और राजनीतिक दल खुद इसका ऑडिट कर सकें। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे वेबसाइट पर पंजीकरण कर इस मांग का समर्थन करें। पोर्टल पर एक संदेश भी है जिसमें लिखा गया है कि वोट हमारे लोकतंत्र की नींव है लेकिन यह 'भाजपा द्वारा सुनियोजित हमले' के तहत है और इसमें चुनाव आयोग 'सहयोगी' है। संदेश में कहा गया है, कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पहले भी चेतावनी दे चुके हैं, जिसमें महाराष्ट्र भी शामिल है। अब हमारे पास सबूत है। हम इस वोट चोरी के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ेंगे। हमारे साथ जुड़ें और लोकतंत्र की रक्षा करें। हालांकि, इस अभियान के बीच एक कांग्रेस मंत्री द्वारा पार्टी हाईकमान को निशाना बनाना, एक अलग मामला है। फिर भी 'वोट चोरी' अभियान जनता के बीच असर डालने की संभावना रखता है ठीक वैसे ही जैसे पिछली लोकसभा चुनाव में 'संविधान बचाओ' का नारा गूंजा था। 2024 में गांधी ने अन्य विपक्षी नेताओं के साथ जेब में संविधान की प्रति रखकर भाजपा के खिलाफ चुनाव प्रचार किया था। संविधान की प्रति हाथ में लेकर गांधी ने दलितों, आदिवासियों, गरीबों और अल्पसंख्यकों से अपील की थी कि वे 'इस संविधान की रक्षा करें'।

'हिमगिरि' और 'उदयगिरि'

आईएनएस उदयगिरि को मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने बनाया गया है, जबकि हिमगिरि को कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने तैयार किया है। खास बात यह है कि उदयगिरि नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो का 100वां डिजाइन किया गया जहाज है। करीब 6700 टन वजनी ये जहाज शिवालिक क्लास से बड़े और ज्यादा उन्नत हैं। दोनों एक स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल से लैस हैं, जिसे स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है। प्रत्येक जहाज का विस्थापन लगभग 6,700 टन है और इसका डिजाइन ऐसा है कि रडार सिग्नल कम दिखाई देता है। भारतीय नौसेना भारत में निर्मित दो उन्नत युद्धपोत उदयगिरि और हिमगिरि को नौसेना में शामिल करेगी भारतीय नौसेना लगातार अपनी क्षमताओं को बढ़ा रही है जो चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मन देशों के लिए चिंता का कारण बन रही है। भारतीय नौसेना पारंपरिक और गैर-पारंपरिक दोनों तरह के खतरों को संभालने वाली एक बहुआयामी ताकत के रूप में विकसित हुई है। पश्चिमी हिंद महासागर में रुकावटों से वैश्विक शिपिंग की सुरक्षा के लिहाज से इसके सक्रिय काउंटर-पायरेसी ऑपरेशन और हाल ही में की गई तैनाती ने अन्तर्राष्ट्रीय स्वीकारोक्ति अर्जित की है। इसके अलावा पाकिस्तान की नौसेना क्षमता भारत के आगे बिल्कुल भी नहीं टिक पाएगी। भारतीय नौसेना के बेड़े में 26 अगस्त को एक साथ दो बेहद आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट्स (रडार को चकमा देने वाले युद्धपोत) उदयगिरि (एफ35) और हिमगिरि (एफ34) शामिल होंगे। यह पहली बार होगा जब देश के दो बड़े शिपयार्ड में बने इस तरह के युद्धपोत एक साथ नौसेना में शामिल किए जाएंगे। ये जहाज एक संयुक्त डीजल या गैस प्रणोदन प्रणाली द्वारा संचालित होते हैं जो नियंत्रित-पिच प्रोपेलर को चलाने के लिए डीजल इंजन और गैस टर्बाइन दोनों का उपयोग करती है। इन जहाजों का प्रबंधन एक एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से किया जाता है। उनकी हथियार प्रणालियों में सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, 76 मिमी मुख्य तोप, 30 मिमी और 12.7 मिमी निकट हथियार प्रणालियां तथा पनडुब्बी रोधी युद्ध उपकरण शामिल हैं। इनका डिजाइन ऐसा है कि ये रडार को चकमा देने में सक्षम हैं। इनमें डीजल इंजन और गैस टर्बाइन दोनों लगे हैं, आधुनिक मिसाइलें, तोप और पनडुब्बी रोधी हथियार भी हैं। दोनों भारतीय नौसेना के नेक्स्ट-जनरेशन स्टील्थ वॉरशिप हैं जो प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनाए गए हैं। इन युद्धपोतों के निर्माण में 200 से ज्यादा भारतीय कंपनियों ने हिस्सा लिया जिससे 4,000 से ज्यादा लोगों को सीधी और 10,000 से ज्यादा को अप्रत्यक्ष नौकरियां मिलीं। 'उदयगिरि' और 'हिमगिरि' का जलावतरण जहाज डिजाइन और निर्माण में आत्मनिर्भरता के प्रति नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नौसेना इसके बाद अन्य स्वदेशी पोतों जैसे विध्वंसक आईएनएस सूरत, फ्रिगेट आईएनएस नीलगिरि, पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर, एएसडब्ल्यू शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अर्नाला और डाइविंग सपोर्ट वेसल आईएनएस निस्तार का जलावतरण 2025 में करेगी। नौसेना के मुताबिक यह युद्धपोत भारत की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की ताकत दिखाने का मौका है, इन जहाजों के शामिल होने से हिंद महासागर में भारत की पकड़ और मजबूत होगी। इन दोनों युद्धपोत के आने से भारत न सिर्फ अरब सागर और बंगाल की खाड़ी की निगरानी कर सकेगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पैंथरवाला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/00882)

थाना प्रमुख,पावन तोमर को बुद्ध का चित्र भेंट किया - विजय कुमार भारती

नई दिल्ली (इंद्रजीत सिंह) बहरी जिला, नांगलोई, थाना प्रमुख, पवन तोमर जी को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर अशोक सम्राट बुद्ध विहार प्रबंधक कमिटी, रिपब्लिकन मजदूर संगठन और मीडिया सहयोगियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर, विजय कुमार भारती ने उन्हें तथागत गौतम बुद्ध का चित्र भेंट किया, जबकि अजरुद्दीन ने पुष्प माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

इस कार्यक्रम में क्रांति गौतम, इंद्रजीत सिंह, हिमांशु, साहिल भारती और कमिटी के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। यह आयोजन सुल्तानपुरी में स्थित अशोक सम्राट बुद्ध विहार में हुआ था। सुल्तानपुरी दिल्ली का एक महत्वपूर्ण आवासीय क्षेत्र है, जो उत्तर-पश्चिम जिले में स्थित है।

यह क्षेत्र अपने विविध इतिहास और विकसित बुनियादी सुविधाओं के लिए जाना जाता है। सुल्तानपुरी में कई स्कूल और शैक्षणिक संस्थान हैं, जो निवासियों को शिक्षा प्रदान करते हैं सम्मान समारोह के माध्यम से, अशोक सम्राट बुद्ध विहार प्रबंधक कमिटी और रिपब्लिकन मजदूर संगठन ने पवन तोमर के प्रति अपना सम्मान और आभार व्यक्त किया।

स्वतंत्रता दिवस पर चला विशेष अभियान, दोपहिया चालकों को बांटे गए हेलमेट

जौनपुर । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यातायात पुलिस जौनपुर, बीएसए कार्यालय और जेसीआई चेतना के संयुक्त तत्वावधान में वाजिदपुर तिराहे पर यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित व सुगम बनाने तथा सड़क दुर्घटनाओं में जनहानि रोकने के उद्देश्य से चलाए गए इस अभियान में बिना हेलमेट यात्रा कर रहे दोपहिया वाहन चालकों को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए गए और उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के निर्देशन में आयोजित हुआ। इस दौरान यातायात प्रभारी सुशील कुमार मिश्रा, बीएसए गोरखनाथ पटेल और जेसीआई चेतना की अध्यक्ष ज्योति श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से वाहन चालकों को जागरूक किया। अभियान में जेसीआई चेतना की पूर्व अध्यक्ष अभिलाषा श्रीवास्तव, मधुलिका अस्थाना, अनीता गुप्ता, सरिता निगम, ज्योति यादव समेत संगठन के कई सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहे। लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास समाज को सुरक्षित यातायात संस्कृति की ओर ले जाएंगे।

स्वतंत्रता दिवस पर गांव के महिलाओं, पुरुषों को किया गया सम्मानित

आनंदनगर, महराजगंज। विकास खंड फरेंदा क्षेत्र के ग्राम सभा पिपरा विशंभरपुर में बड़े ही धूमधाम से 79 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ग्राम सभा के 500 महिलाओं एवं 300 पुरुषों को अंग वस्त्र एवं अन्य उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके पहले खंड विकास अधिकारी फरेन्दा अतुल कुमार एवं ग्राम प्रधान बिंद्रावती द्वारा झंडारोहण किया गया। इस अवसर पर समारोह में उपस्थित 500 महिलाओं एवं 300 पुरुषों को अंग वस्त्र एवं अन्य उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया । खंड विकास अधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर सम्मान मिलना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी में बहुत सारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुत दी थी तब कहीं जाकर देश आजाद हुआ था। हम सभी को उन महापुरुषों के जीवन में प्रेरणा लेकर धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस को मनाना चाहिए। ग्राम प्रधान बिन्द्रावती प्रतिनिधि साधु शरण ने ग्राम वासियों एवं खंड विकास अधिकारी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए आभार जताया। इस दौरान कार्यक्रम में ग्राम सचिव अनुरोध कुमार तकनीकी सहायक कन्हैया लाल तथा अन्य कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जनपद में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

जौनपुर ।

स्वतंत्रता दिवस पर कलेक्ट्रेट परिसर में बच्चों ने बनाई रंगोली

कलेक्ट्रेट परिसर में हुआ ध्वजारोहण, पंचप्रण की दिलाई गई शपथ

जनपद में 79 वॉं स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण किया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को पंचप्रण के अंतर्गत देश की एकता और एकजुटता के लिए सदैव प्रयासरत रहने तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और दायित्वों का पालन करते हुए राष्ट्र की रक्षा, सम्मान और प्रगति के लिए समर्पित रहने की शपथ दिलाई। तिरंगा झंडा को सलामी देते हुए राष्ट्रगान गाया गया। जिलाधिकारी ने देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों, वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि लंबे समय तक पराधीनता के पश्चात हमें आजादी मिली। परतंत्रता की बेड़ियों को तोड़ने की लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को आज के दिन हम नमन करते हैं। स्वतंत्रता दिवस हमारे राष्ट्रीय कर्तव्यों की याद दिलाने का दिन है। आज़ादी हमें अनेक बलिदानों और संघर्षों के बाद मिली है, उन्होंने कहा कि इसे बनाए रखना तथा देश को आगे बढ़ाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति तभी संभव है जब हम ईमानदारी, निष्ठा और एकजुटता के साथ कार्य करें। हमें सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के सिद्धांत के साथ कार्य करना है। जिलाधिकारी ने समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हर घर तिरंगा के सफल आयोजन पर सभी को बधाई दी तथा 13 अगस्त 2025 को पुलिस लाइन से शाही किले तक निकाली गई भव्य और ऐतिहासिक तिरंगा रैली के द्वारा रिकॉर्ड बनाए जाने पर सभी जनपद वासियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। जिलाधिकारी के द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में नीम का पौधा भी रोपित किया गया। उन्होंने रंगोली बनाने वाली जनक कुमारी इंटर कॉलेज की छात्राओं को सम्मानित भी किया। इसके उपरांत जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जहां पर जिलाधिकारी, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, अपर जिलाधिकारी वि0 एवं रा0 राम अक्षयवर चौहान सहित अन्य ने भी देश की स्वतंत्रता हेतु किए गए संघर्ष, तथा वीर शहीदों के बलिदान को याद किया। गोष्ठी का संचालन आशीष त्रिपाठी ने किया। समारोह में जिलाधिकारी द्वारा कुर्सी बुनकर अनिरुद्ध कुशवाहा को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी, कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

भटनी नगर पंचायत के मेधावी छात्रों को मिला सम्मान

भटनी देवरिया।

स्वतंत्रता दिवस पर सभासद ने किया साइकिल वितरण

इस वर्ष विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं में शानदार अंक प्राप्त कर नगर का नाम रोशन करने वाले छात्र-छात्राओं को सभासद कुंदन सिंह ने साइकिल प्रदान कर प्रोत्साहित किया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर पंचायत भटनी में मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं में शानदार अंक प्राप्त कर नगर का नाम रोशन करने वाले छात्र-छात्राओं को सभासद कुंदन सिंह ने साइकिल प्रदान कर प्रोत्साहित किया। नगर पंचायत भटनी क्षेत्र के विद्यार्थियों ने विभिन्न बोर्ड की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र की शैक्षिक प्रतिभा को उजागर किया है।

इनमें हिमांशु सिंह (रामपुर खुरहुरिया, कक्षा 10वीं, उत्तर प्रदेश बोर्ड), रूहान हसन (केवड़ा, कक्षा 10वीं, आईसीएसई बोर्ड), अंकिता ठाकुर (रामपुर खुरहुरिया, कक्षा 10वीं, सीबीएसई बोर्ड), अनन्य यादव (केवड़ा, कक्षा 12वीं, उत्तर प्रदेश बोर्ड) और आदर्शिका नवीन (भटनी बाजार, कक्षा 12वीं, सीबीएसई बोर्ड) शामिल हैं।

इन सभी विद्यार्थियों ने अपने परिश्रम और लगन से पूरे नगर पंचायत को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर सभासद कुंदन सिंह ने कहा कि छात्र-छात्राएं ही हमारे देश का भविष्य है।

जब हमारे नगर के बच्चे पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, तो यह न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे नगर के लिए गर्व की बात होती है। उन्होंने छात्रों को मेहनत और ईमानदारी से आगे बढ़ने का संदेश देते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह में दर्जनों लोगों को भी उनके सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नगरवासियों की बड़ी संख्या मौजूद रही, जिन्होंने मेधावी विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

आज़ादी की 79वीं वर्षगांठ पर पुलिस अधीक्षक का संदेश,राष्ट्र रक्षा संग पर्यावरण संरक्षण भी ज़रूरी

देवरिया। 79वें स्वतंत्रता दिवस पर शुक्रवार को पुलिस लाइन देवरिया का प्रांगण राष्ट्रप्रेम और उत्साह से गूंज उठा। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और राष्ट्रगान की धुन के बीच स्वतंत्रता संग्राम के स्वर्णिम पलों को नमन किया। ध्वजारोहण के उपरांत पुलिस अधीक्षक ने मौजूद सभी अधिकारियों और कर्मियों को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाते हुए सत्यनिष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर उन्होंने मिठाई बांटकर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और पुलिस बल की एकजुटता व जनसेवा की भावना को सलाम किया। कार्यक्रम के दौरान उन पुलिसकर्मियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया जिन्होंने बीते समय में उल्लेखनीय कार्य कर विभाग का गौरव बढ़ाया। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर ने उन्हें प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह से पुलिस बल में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण वृक्षारोपण अभियान रहा। पुलिस अधीक्षक और अधिकारियों ने मिलकर पुलिस लाइन परिसर में विभिन्न पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा जितनी आवश्यक है, उतना ही जरूरी प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा भी है। पुलिस बल ने इस संदेश को समाज तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इसी क्रम में जिले के सभी थाना प्रभारियों ने अपने-अपने थानों पर ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और आज़ादी के बलिदानियों को नमन किया। राष्ट्रगान की गूंज और तिरंगे की शान ने स्वतंत्रता दिवस को जनपद में एक गरिमामय और प्रेरणादायी उत्सव बना दिया।

स्वतंत्रता दिवस की रही धूम

कप्तानगंज, कुशीनगर । कप्तानगंज में भी 79 वीं स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आदर्श नगर पंचायत पर अध्यक्ष सुशीला खेतान,तहसील, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, थाना,ब्लाक, इंडेन गैस सर्विस पर अनुपमा सिंह, आदर्श पैथोलॉजी पर डा बबलू सिंह,स्वामीविवेका नन्द विद्यालय पर दिनेश यादव, लिटिल स्टार स्कूल पर विनय श्रीवास्तव, स्व.सुदामा देवी कॉम्प्लेक्स पर वार्ड सभासद प्रतिनिधि सफीउद्दीन उर्फ छोटा भाई,बेचू बीए ने ध्वजारोहण किया साथ ही नगर की साहित्यिक संस्था प्रभात साहित्य सेवा समिति के कवियों ने शाम को काव्य गोष्ठी कर शहीदों को याद कर देश भक्ति पर रचना पाठ किया।

जिलाधिकारी ने ध्वजारोहण कर किया स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान, समाज के वंचित वर्ग तक पहुंचाया खुशी का संदेश

देवरिया।

79वां स्वतंत्रता दिवस जनपद में श्रद्धा, उत्साह और उमंग के वातावरण में मनाया गया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने शुक्रवार को कैंप कार्यालय में परिवार सहित ध्वजारोहण कर तिरंगे को नमन किया। इसके उपरांत कलेक्ट्रेट प्रांगण में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर राष्ट्रगान की धुन पर सलामी दी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित गोष्ठी में महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके आश्रितों को अंगवस्त्र और माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की बदौलत ही आज हम आजाद भारत में सांस ले रहे हैं। उनके जीवन से हमें सदैव देशहित में कार्य करने की प्रेरणा लेनी चाहिए। इसके बाद जिलाधिकारी ने सुभाष चौक पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा और शहीद स्मारकों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को आजादी के लिए दिए गए बलिदानों से अवगत कराना हम सबकी जिम्मेदारी है। स्वतंत्रता दिवस पर सेवा के स्वर भी गूंजे। बाल सुधार गृह के बच्चों को खेल सामग्री एवं फल वितरित किए गए। वृद्धा आश्रम में रह रहे बुजुर्गों को फल और मिष्ठान प्रदान कर उनके चेहरे पर मुस्कान बिखेरी गई। जिलाधिकारी ने कहा समाज के वंचित वर्ग तक खुशी और सम्मान पहुंचाना ही इस दिन का वास्तविक संदेश है। इसी क्रम में मारवाड़ी युवा मंच द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में जिलाधिकारी ने प्रतिभाग किया और लोगों को रक्तदान जैसे जीवनदायिनी कार्य के प्रति जागरूक किया। वहीं महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में मरीजों के बीच फल वितरित किए गए।

79वें स्वतंत्रता दिवस पर हुए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम

(नेबुआ नौरंगिया कुशीनगर क्षेत्र के किसान इंटर कॉलेज पिपरा बाजार में 79वें स्वतंत्रता दिवस पर रही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के संरक्षक मृत्युंजय कुमार मिश्र ने ध्वजारोहण किया , इसी क्रम में राष्ट्र गान व झंडा गीत के बाद प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें छात्र छात्राओं ने देशभक्ति के नारे लगाते हुए उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रभात फेरी नेबुआ नौरंगिया थाना परिसर तक गयी जहां पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अश्विनी कुमार पांडेय व डॉक्टर विष्णु प्रताप चौबे ने पुलिस कर्मियों को तिरंगा पट्टिका लगाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सेवा निवृत्त अध्यापक शिवशरण मिश्र ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा देश जहां एक तरफ प्रेम व एकता के प्रतिक भगवान श्रीकृष्ण के नीतियों पर चलकर सबको प्रेम बांटता है वहीं दूसरी तरफ ऑपरेशन सिन्दूर के द्वारा देश के दुश्मनों के दांत भी खट्टे करना जानता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के संरक्षक मृत्युंजय कुमार मिश्र ने बच्चों को भारत के बलिदानी वीर सपूतों के सपनों को साकार करने के लिए सदैव राष्ट्रीय एकता व अखंडता के पथ पर चलने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में सुनील कुमार पांडेय ,अखिलेश तिवारी,सतीश कुशवाहा,नितिन काम्बोज, नंदभूषण पांडेय,अरुंधति दुबे,रानी मिश्रा,योगेंद्र यादव आदि के साथ साथ क्षेत्र के विभिन्न संस्थाओं के प्रबंधक,सोशल व प्रिंट मीडिया के साथी,भूतपूर्व छात्र छात्राएं और अभिभावकगण उपस्थित रहे।

किशोरी के सिर को बाघ ने जबड़े में दबोचा: शोर सुनकर लोगों ने बचाई जान

नेबुआ नौरंगिया, कुशीनगर । जिले के गंडक नदी पार खड्डा क्षेत्र के बसंतपुर गाँव के सरेह में घास काट रही 14 वर्षीय किशोरी पर बाघ ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसे इलाज के लिए महराजगंज ले जाया गया, जहां अस्पताल में भर्ती है।महराजगंज जनपद के सोहगीबरवा गाँव की रहने वाली नमिता पुत्री सुग्रीव उर्फ गोबर दोपहर बाद खड्डा क्षेत्र की सीमा मे बसंतपुर गाँव के सरेह में गाँव के ही कुछ सहेलियो के साथ गन्ने के खेत में घास काट रही थी। तभी नमिता पर बाघ ने हमला कर दिया और खींच कर ले जाने लगा।साथ की बच्चियों ने शोर मचाया तो रमइ प्रसाद व दो और लोग शोर मचाते हुए दौड़े। तब जाकर बाघ ने लड़की को छोड़ा। उसे गंभीर हाल में सोहगीबरवा ले जाया गया ,जहां से इलाज हेतु महराजगंज जिला अस्पताल भेज दिया गया। बताते चलें कि इन गाँव के सटे सोहगीबरवा वन्यजीव अभयारण्य तथा वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के जंगल है।यहाँ से हिंसक जानवर ग्रामीण क्षेत्र में पहुंच जाते हैं। लोगों में भय व्याप्त है। जहां घटना हुइ है वह क्षेत्र खड्डा वन क्षेत्र अन्तर्गत आता है। सोहगीबरवा वन्यजीव अभयारण्य के शिवपुर रेंज के फारेस्टर रामफेर का कहना है कि वह क्षेत्र खड्डा रेंज में पड़ता है। फिर भी टीम गयी थी। लोगों ने बताया है कि बाघ ने ही हमला किया था। वन निगम टीम इसकी जांच कर रही है।

बहादुर यादव महाविद्यालय में तिरंगा यात्रा एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से सम्पन्न

भटनी देवरिया।

बहादुर यादव महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना व छात्र-छात्राओं के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। महाविद्यालय प्रबंधक अजय कुमार यादव ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। यह यात्रा कस्बे के मुख्य मार्गों एवं चौराहों से होते हुए पुनः महाविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुई। तत्पश्चात संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार तिवारी व उप प्राचार्य डॉ. आर.एम. यादव ने अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला।स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भटनी ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रमाशंकर यादव एवं विशिष्ट अतिथि भटनी नगर पंचायत चेयरमैन विनय गुप्ता रहे। प्रबंधक अजय कुमार यादव, निदेशिका ममता यादव, प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार तिवारी और उप प्राचार्य डॉ. आर.एम. यादव ने ध्वजारोहण कर विद्यार्थियों को संबोधित किया। प्रबंधक अजय कुमार यादव ने स्वतंत्रता के मूल्यों को संजोने और भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनूप कुमार और संचालन उप प्राचार्य डॉ. आर.एम. यादव ने किया।

धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस,शान से लहराया तिरंगा

पडरौना, कुशीनगर ।

15 अगस्त को 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर नगर पालिका परिषद पडरौना द्वारा भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर पालिका कार्यालय जलकल भवन सुभाष चौक पर नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर उपस्थित सभी जनमानस को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि आज का दिन उन वीर सपूतों को स्मरण करने का दिन है जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें यह स्वतंत्रता दिलाई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग, बलिदान और अदम्य साहस के कारण ही हम स्वतंत्र भारत के नागरिक है। हमें सदैव उनके बताए मार्ग पर चलकर राष्ट्र के विकास और समाज की सेवा के लिए कार्य करते रहना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान नगर के सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं की साफ-सफाई एवं माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, सरदार वल्लभ भाई पटेल, पं. जवाहरलाल नेहरू, नेताजी सुभाष चंद्र बोस समेत स्वतंत्रता संग्राम के अमर वीरों की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष विनय जायसवाल ने स्वतंत्रता दिवस के इस राष्ट्रीय पर्व पर उपस्थित सभी नागरिकों, कर्मचारियों एवं सम्मानित जनों के बीच मिष्ठान वितरण कर आनंद और उत्साह के साथ आज़ादी के इस महापर्व को मनाया। नगर पालिका परिषद पडरौना सदैव नगर के सर्वांगीण विकास एवं स्वच्छता, सौंदर्यीकरण तथा नागरिकों को सुविधा हेतु प्रतिबद्ध है।

दिल्ली यूनिवर्सिटी में खत्म होगी गुंडागर्दी और पैसों की राजनीति : एसैप का ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र राजनीति लंबे समय से कुछ रसूखदारों, राजनीतिक दलों और गुंडागर्दी करने वाले संगठनों के कब्जे में रही है। चुनाव टिकट अब मुद्दों पर नहीं, बल्कि पैसे, जाति और बाहुबल के आधार पर बंटते हैं। जिन सवालों पर छात्र राजनीति की नींव होनी चाहिए, जैसे फीस वृद्धि, हॉस्टल और लैब की कमी, महिला सुरक्षा और भेदभाव उन पर सालों से चुप्पी छाई रही है। एबीवीपी और एनएसयूआई ने कैंपस को सालों तक एक निजी ठेके की तरह चलाया, जहां पर सेटिंग करके बारी-बारी से डूसू छात्रसंघ पर कब्जा जमाए बैठे रहे। लेकिन कभी भी छात्रों के हितों की आवाज बुलंद नहीं है। सिर्फ अपने नेताओं को खुश करने और अपनी राजनीति चमकाने में लगे रहे। जहां छात्रों की भागीदारी को कुचला गया और राजनीति का मतलब सिर्फ बैनर, पैसा, गुंडागर्दी और धमकी बनकर रह गया। लेकिन अब यह चक्र टूटेगा। क्योंकि इस बार आम आदमी पार्टी का छात्र संगठन एसैप डूसू छात्र संघ चुनाव लड़ेगा, और सिर्फ लड़ेगा ही नहीं, बल्कि एबीवीपी और एनएसयूआई की गुंडागर्दी वाली राजनीति को सीधी चुनौती देगा। एसैप मानता है कि छात्र राजनीति कोई बीजेपी और कांग्रेस नेताओं की जागीर नहीं हो सकती। नेतृत्व उस छात्र के हाथ में होना चाहिए, जो पढ़ाई में अच्छा है, मेहनती है, ईमानदार है और अपने कॉलेज व विश्वविद्यालय को बेहतर बनाना चाहता है। अब चुनाव लड़ने के लिए न किसी रसूखदार नेता के दरवाजे पर खड़ा होना पड़ेगा, न पैसा या जाति पूछी जाएगी, न बैकग्राउंड। एसैप ने टिकट प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और लोकतांत्रिक बना दिया है। हर छात्र को मौका मिलेगा, चाहे वो किसी भी भाषा, धर्म, जाति या आर्थिक पृष्ठभूमि से आता हो। जो भी छात्र डूसू या कॉलेज यूनियन का चुनाव लड़ना चाहता है, उसे सिर्फ तीन आसान स्टेप पूरे करने होंगे, पहला- एक पंजीकरण फॉर्म भरना होगा। जिसकी आखिरी तारीख 25 अगस्त है। दूसरा- एक मिनट का वीडियो या ऑडियो जिसमें वह अपने मुद्दों को साफ-साफ रखे, और तीसरा- 200-500 शब्दों में अपना एजेंडा बताए। कॉलेज यूनियन के लिए कम से कम 5 अलग-अलग सेक्शन से 10 छात्रों का समर्थन जुटाना होगा, और डूसू के लिए 5 कॉलेजों से 50 छात्रों का, जिनके नाम, स्टूडेंट ई-मेल और मोबाइल नंबर अनिवार्य हैं। उम्मीदवार के पास पूरी कक्षा उपस्थिति होनी चाहिए, कोई बैकलॉग नहीं, और न ही कोई अनुशासनात्मक या आपराधिक रिकॉर्ड हो। एसैप की राजनीति पारदर्शिता, जवाबदेही और मुद्दों पर आधारित है। यह नेतृत्व को चंद हाथों से निकालकर छात्रों के बीच वापस ले जाने की लड़ाई है। यह सिर्फ एक संगठन नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो चाहता है कि यूनिवर्सिटी से ऐसे नेता निकलें जो जनता की आवाज बनें, भ्रष्टाचार से लड़ें और लोकतंत्र को मजबूत करें। इस बार डूसू चुनाव में न पैसा चलेगा, न बाहुबल, न परिवारवाद। इस बार चलेगा आपका विज़न, आपकी नीयत और आपकी सोच। एसैप हर छात्र से कहता है, अगर आपने अब भी चुप्पी साधी, तो बदलाव की संभावना फिर टल जाएगी।

चोरी चोरी, चुपके चुपके, वोट चोरी को लेकर राहुल गांधी का तंज, शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को फिल्म लापता लेडीज़ से प्रेरित एक स्पूफ वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने चुनाव आयोग पर कांग्रेस के वोट चोरी के आरोपों को दोहराया और लोगों से वोट चोरी से आज़ादी अभियान में शामिल होने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, चोरी चोरी, चुपके-चुपके... अब या नहीं, जनता जाग गई है। वीडियो में एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति पुलिस स्टेशन में चोरी की शिकायत दर्ज कराता हुआ दिखाई दे रहा है। जब एक पुलिसकर्मी पूछता है, क्या चोरी हुआ है? तो वह व्यक्ति हिचकिचाता है और जवाब देता है, वोट। पुलिसकर्मी चौंककर पूछता है, यह कैसे संभव है? वीडियो इस संदेश के साथ समाप्त होता है, आपके वोट की चोरी आपके अधिकार की चोरी है। यह क्लिप

लापता लेडीज़ के एक दृश्य पर आधारित है, जिसमें एक पति पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराने जाता है कि उसकी पत्नी की अदला-बदली कर दी गई है। यह कांग्रेस द्वारा वोट चोरी से आज़ादी अभियान शुरू करने की घोषणा के बाद आया है, जिसमें लोगों से चुनाव आयोग और भाजपा द्वारा कथित वोट चोरी के खिलाफ आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया गया था। इससे पहले, कांग्रेस पार्टी ने एक्स पर एक पोस्ट में लोगों से इस अभियान का समर्थन करने के लिए सोशल मीडिया पर अपनी डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) बदलने का आग्रह किया था। पोस्ट में कहा गया था, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, वोट चोरी से मुक्ति के अभियान में शामिल हों। अपनी व्हाट्सएप डीपी बदलें। 14 अगस्त को, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, राहुल गांधी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ मतदाता अधिकार यात्रा शुरू करने की भी घोषणा की।

उन्होंने लोगों से इस जन आंदोलन में शामिल होने की अपील की। 7 अगस्त को, राहुल गांधी ने भी भारत के चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए कहा था कि चुनाव नाटकीय होते हैं। कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में मतदान पर कांग्रेस के शोध को प्रस्तुत करते हुए, उन्होंने 1,00,250 वोटों की चोरी का आरोप लगाया।

सीएम ने दी 30 हजार करोड़ के मास्टर प्लान की सौगात

श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर हर्षोल्लास से मनाया जा रहा जन्माष्टमी उत्सव, हजारों श्रद्धालुओं ने की मंगल आरती; सीएम योगी ने भी किया दर्शन-पूजन

मथुरा।

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा पहुंचकर श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने मथुरा और ब्रज क्षेत्र के लिए 645 करोड़ रुपये की 118 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया, जिसे मथुरावासियों के लिए एक बड़ा तोहफा माना जा रहा है। मथुरा में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री योगी ने एक बड़ा बयान दिया, जिसने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार गुलामी के अंश को खत्म कर रही है। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि हमने वहां 500 सालों के गुलामी के प्रतीक को हटाया और अब मथुरा में भी वही काम करेंगे। उनका यह बयान सीधे तौर पर श्री

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद की ओर इशारा करता है, जो लंबे समय से चल रहा है। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी सरकार ने मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, बलदेव, गोवर्धन और राधा कुंड को तीर्थ स्थल के रूप में उनकी पौराणिक मान्यता को फिर से बहाल करने का फैसला किया है। उन्होंने ब्रज तीर्थ विकास परिषद की सराहना करते हुए कहा कि यह परिषद ब्रज क्षेत्र के समग्र विकास के लिए काम कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, आज उत्तर प्रदेश अपनी आध्यात्मिक विरासत और अत्याधुनिक विकास के लिए दुनिया में एक नया प्रतिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने यहां आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और 5000 साल की पौराणिक विरासत के संरक्षण के लिए आधुनिक विकास पर जोर दिया।

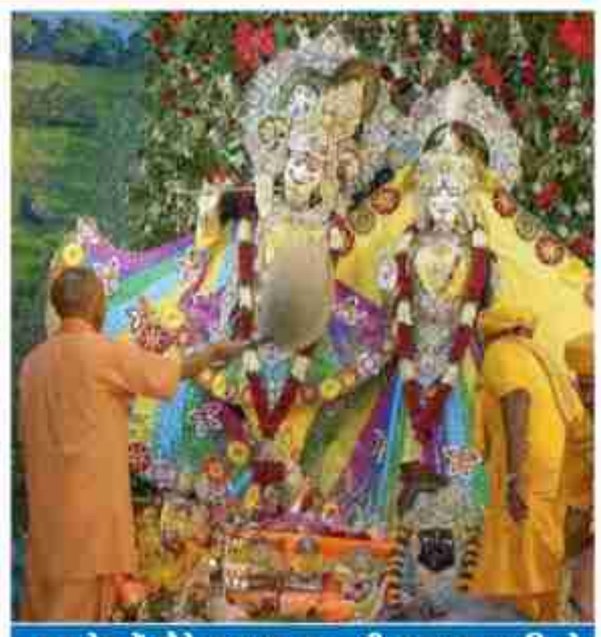

ब्रज क्षेत्र में लौटेगा द्वापर युग.. श्री कृष्ण जन्मभूमि से गुलामी के अंश का करेंगे अंत-मुख्यमंत्री योगी

राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने दीं जन्माष्टमी की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जन्माष्टमी के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर लिखा कि जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं! भगवान श्री कृष्ण ने समस्त मानवता को सभी प्राणियों के कल्याण के लिए समर्पित रहते हुए धर्मानुसार कर्तव्यों का पालन करने का मार्ग दिखाया है। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर, सभी लोग भगवान श्री कृष्ण के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लें तथा समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाएं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन्माष्टमी के अवसर पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और इसे आस्था का पावन पर्व बताया। पीएम मोदी ने एक्स लिखा कि सभी देशवासियों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं। आस्था, उल्लास और उत्साह का यह पावन पर्व आपके जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करे। जय श्री कृष्णा! कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी देशवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

मध्यप्रदेश के शिवपुरी में सड़क हादसे में चार लोगों की मौत, 11 अन्य घायल

शिवपुरी मध्यप्रदेश के शिवपुरी में शनिवार सुबह एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि 11 लोग घायल हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह हादसा जिले के सुरवाया थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर एक मिनी बस (ट्रेवलर) के डिवाइडर तोड़ कर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा जाने से हुआ। सुरवाया के मेडिकल कॉलेज पुलिस थाने के प्रभारी नंद किशोर गुप्ता ने बताया कि इस दुर्घटना में अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है।

मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये देगी सरकार, घायलों को भी मिलेगी मदद; सीएम अब्दुल्ला का एलान

जम्मू। जम्मू के किश्तवाड़ में बादल फटने से प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पीड़ितों को राहत देने के लिए अनुग्रह राशि का एलान किया है। किश्तवाड़ के चशोती में बादल फटने की घटना से मारे गए प्रत्येक मृतक के लिए परिजनों को 2 लाख रुपये दिए जाएंगे। इसी तरह आपदा में गंभीर रूप से घायलों के लिए एक लाख रुपये का एलान किया गया है। इसी के साथ जो मामूली रूप से घायल हुए हैं। उनके लिए सरकार ने 50,000 रुपये देने का एलान किया है। पूरी तरह से क्षतिग्रस्त मकान आदि के लिए उमर सरकार ने एक लाख रुपये देने का एलान किया है, जबकि गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त संरचनाओं के लिए 50,000 और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के लिए 25,000 रुपये देने का एलान किया है।

अब तक 62 लोगों की मौत

किश्तवाड़ के चशोटी गांव में बादल फटने से आई बाढ़ से हुई तबाही का जायजा लेने के बाद एक संक्षिप्त बातचीत में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अभी तक लगभग 60 शव बरामद किए जा चुके हैं। लापता लोगों की संख्या 70 से 80 के बीच है, और यह अभी भी कम या ज्यादा हो सकती है।

कहां हुआ क्लाउडब्रस्ट?

जम्मू के किश्तवाड़ से तकरीबन 90 किलोमीटर दूर चशोती गांव के मचैल माता मंदिर में बादल फटा। तकरीबन नौ हजार फीट की ऊंचाई पर मौजूद मचैल माता मंदिर जाने के लिए वहां से करीब आठ किलोमीटर पैदल चढ़ाई करनी पड़ती है। आपदा के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां टैंटों में रुके हुए थे, तभी बादल फटने से अचानक सैलाब आया। लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही सैलाब सब कुछ बहाकर ले गया।

हरियाणा में टीचर की हत्या पर सीएम नायब सैनी का सख्त एक्शन

एसएचओ सहित पांच अधिकारी सस्पेंड; भिवानी एसपी का भी ट्रांसफर

चंडीगढ़।

भिवानी में निजी स्कूल की महिला शिक्षक मनीषा की हत्या की गुत्थी नहीं सुलझा सके पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित छह पुलिस अधिकारियों पर गाज गिरी है। मामले में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद आइपीएस मनबीर सिंह को हटाकर आइपीएस सुमित कुमार को भिवानी का नया एसपी लगाया गया है। साथ ही लोहारू के थाना प्रभारी अशोक, महिला एएसआइ शकुंतला, डायल-112 की इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल (ईआरवी) टीम के एसआइ अनूप, कांस्टेबल पवन और एसपीओ धर्मेंद्र को निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है। गृह सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने शुक्रवार रात को तीन आइपीएस और दो एचपीएस अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश

जारी कर दिए। वर्ष 2011 बैच के आइपीएस अधिकारी मनबीर सिंह को आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस) मुख्यालय में एसपी लगाया गया है। आइपीएस सुरेंद्र सिंह भोरिया को हरियाणा राज्य नशा नियंत्रण ब्यूरो मुख्यालय का एसपी और एचपी मधुबन की पांचवीं बटालियन का कमांडेंट बनाया गया है। एचपीएस अधिकारी अमित दहिया को झज्जर में डीसीपी अपराध की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह एचपीएस पंखुड़ी कुमारी को अंबाला में एसपी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो लगाया गया है। भिवानी के लोहारू थाने के गांव ढाणी लक्ष्मण की 18 वर्षीय बेटी मनीषा प्राइवेट प्ले स्कूल में शिक्षिका थी। उसका शव 13 अगस्त को सिंघानी गांव के खेतों में मिला। गला रेता हुआ था। सड़-गल चुके शव की गर्दन की स्किन और मसल्स के साथ हड्डियां भी गायब हैं। दुष्कर्म की आशंका के चलते सैंपल भी लैब में भेजे गए हैं। 14 अगस्त को मनीषा के परिवार ने शव उठाने से इनकार करते हुए पुलिस अधिकारियों पर लापरवाही के आरोप लगाए। इसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया, लेकिन अभी तक गुत्थी नहीं सुलझ पाई है।

अटल बिहारी वाजपेयी की आज 7वीं पुण्यतिथि, सदैव अटल पहुंच राष्ट्रपति और पीएम ने श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उनके स्मारक 'सदैव अटल' का दौरा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री और भाजपा नेता वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राजघाट पर उनकी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें नमन किया। इसके अलावा कई केंद्रीय मंत्री और लोकसभा अध्यक्ष

ओम बिरला सहित कई अन्य गणमान्य लोग वाजपेयी को श्रद्धांजलि देने के लिए वहां उनके स्मारक 'सदैव अटल' पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सातवीं पुण्यतिथि पर शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वह विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए सभी को प्रेरित करते रहेंगे। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''सभी देशवासियों की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी पुण्यतिथि पर सादर नमन। राष्ट्र के चौतरफा विकास को लेकर उनका समर्पण और सेवा भाव विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान के लिए हर किसी को प्रेरित करने वाला है।'' वाजपेयी भारतीय जनता पार्टी के संस्थापकों में एक थे। वह तीन बार देश के प्रधानमंत्री बने। उनका पहला कार्यकाल 1996 में मात्र 13 दिनों का था। इसके बाद, वह 1998 में फिर प्रधानमंत्री बने और उन्होंने 13 महीने तक इस पद को संभाला। वर्ष 1999 में वह तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। वह पहले ऐसे गैर-कांग्रेसी नेता थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया। वाजपेयी को आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने का श्रेय दिया जाता है, जिससे देश का तेजी से विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ।

स्वतंत्रता की भावना न टूटे, किसी का वोट न कटे, तेजस्वी ने वोट अधिकार यात्रा से पहले जारी किया प्रचार गीत

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को सासाराम से शुरू होने वाली वोट अधिकार यात्रा के लिए समर्थन जुटाने हेतु शनिवार को एक प्रचार गीत जारी किया। सोशल मीडिया पर गीत का वीडियो साझा करते हुए तेजस्वी ने बिहार के लोगों से बड़ी संख्या में इस यात्रा में शामिल होने की अपील की। उन्होंने अभियान की शुरुआत करते हुए लिखा, कोई भी अपने अधिकारों से वंचित न रहे, स्वतंत्रता की भावना न टूटे, किसी का वोट न कटे। वोट अधिकार यात्रा का नेतृत्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी, महागठबंधन के अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर करेंगे। प्रचार गीत में तेजस्वी को «सतर्क और सतर्क के रूप में दिखाया गया है, जिसमें तानाशाही का विरोध करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी का वोट न कटे और लोकतंत्र की ज्योति न बुझे। महागठबंधन ने आरोप लगाया है कि भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग बिहार में मतदाता सूची से गलत तरीके से नाम हटा रहा है। विपक्ष का दावा है कि यह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में «हेरफेर» करने का एक प्रयास है। वोट अधिकार यात्रा बिहार के 23 जिलों से होकर गुजरेगी, बीच में तीन दिन का विश्राम होगा।

देश के विभाजन के लिए जिन्ना और कांग्रेस जिम्मेदार एनसीआरटी ने तैयार किया अपना नया मॉड्यूल

नई दिल्ली।

एनसीआरटी अपने सिलेबस को लेकर एक बार फिर चर्चा में है. अब एनसीआरटी की तरफ से देश के विभाजन के लिए तीन लोगों को जिम्मेदार बताया गया है, जिसमें जिन्ना और माउंटबेटन के साथ कांग्रेस को भी विभाजन का जिम्मेदार बताया गया है. इस किताब का टाइटल विभाजन के दोषी दिया गया है.

साथ ही कहा गया है कि विभाजन के दर्द को भुलाया नहीं जा सकता है. इस किताब को लेकर अब सियासत शुरू हो गई है और कांग्रेस इसका विरोध कर रही है. एनसीआरटी की तरफ से दो

अलग-अलग मॉड्यूल जारी किए गए हैं. जिसमें 6वीं से 8वीं के लिए अलग मॉड्यूल है और 9वीं से 12वीं तक के लिए अलग मॉड्यूल जारी हुआ है. इसमें नेहरू को विभाजन के लिए दोषी ठहराया गया है. एनसीआरटी की आधिकारिक वेबसाइट पर ये बुक मौजूद है और जल्द ही इसे प्रिंट करके स्कूलों में बांटा जाएगा. ये बुक 6वीं से 8वीं तक के बच्चों के लिए सोशल साइंस के साथ जोड़ी जाएगी.

किताब में क्या लिखा है?

किताब में तस्वीर के साथ तीन लोगों को दिखाया गया है, जिसमें नेहरू भी नजर आ रहे हैं. साथ ही मोहम्मद अली जिन्ना और लॉर्ड माउंटबेटन की तस्वीर भी है.

किताब में कहा गया है कि जिन्ना ने पाकिस्तान बनाने की बात कही थी, जिन्ना की मांग के आगे कांग्रेस झुक गई और देश का बंटवारा हुआ.

किताब में कहा गया है कि जिन्ना ने पाकिस्तान बनाने की बात कही थी. जिन्ना की मांग के आगे कांग्रेस झुक गई और देश का बंटवारा हुआ। माउंटबेटन ने बंटवारे की प्रक्रिया को पूरा किया।

किताब में पीएम मोदी का भी कोट

किताब में कई जगहों पर लिखा गया है कि नेहरू ने आजादी के बाद कहा था कि, या तो हमें विभाजन को स्वीकार करना होगा या फिर हिंसा या फिर विवाद को स्वीकारना होगा. किताब में पीएम नरेंद्र मोदी का भी एक कोट दिया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि विभाजन का दर्द कभी भुलाया नहीं जा सकता है. हमारे कई भाई-बहन अपने घरों से बेघर हो गए थे. इसीलिए इसे कोई नहीं भुला सकता है.

चुनाव आयोग की आज प्रेस कॉन्फ्रेंस एसआईआर से जुड़े सवालों का दे सकता है जवाब

नई दिल्ली।

भारत निर्वाचन आयोग 17 अगस्त (रविवार) को दोपहर 3 बजे नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस की जानकारी चुनाव आयोग के डायरेक्टर जनरल (मीडिया) की ओर दी गई है। माना जा रहा है कि चुनाव आयोग एसआईआर को लेकर उठे सवालों के जवाब दे सकता है। चुनाव आयोग की यह प्रेस कॉन्फ्रेंस ऐसे समय हो रही है, कल से कांग्रेस और राजद बिहार में वोट अधिकार यात्रा शुरू करने वाले हैं। 6 दिन तक चलने वाली 1,300 किलोमीटर की यह यात्रा बिहार के करीब 25 जिलों से गुजरेगी। इस यात्रा में इंडिया गठबंधन के सभी दल के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता इसमें शामिल होंगे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी इस यात्रा में शामिल होंगे। बता दें कि इससे पहले सात अगस्त को राहुल गांधी ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग पर वोट चोरी के कथित आरोप लगाए थे। राहुल गांधी ने कर्नाटक सेंट्रल की एक विधानसभा सीट महादेव पुरा में एक लाख फर्जी वोटर होने का दावा किया था। जिसके बाद चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से शपथपत्र के साथ शिकायत दर्ज कराने के लिए कहा था।